

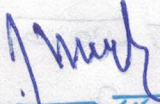
9-11-22 पत्रावली पेश हुई। वकील पद्मकरान उपस्थित। कर्षण सं० 12 को जारी बंदि तलबी की डिलीवरी रिपोर्ट पेश। तलबी फाफिर मानी गई। पत्रावली वाले बहस के दिनांक 14-11-22 को पेश हो

जिला फतेकर सुन्नु

14-11-22 पत्रावली पेश हुई। वकील पद्मकरान उपस्थित। बहस सुनी गई। वकील प्रार्थी ने प्रा० प० में वर्णित तथ्यों को दौहरते हुए कथन किया कि न्यायालय उपलब्ध अधिकारी सुंभुरं में विचाराधीन दावा सं० 86/2012 उनवाही पन्नालाल वर्गठ बनाम मुकुन्दराज में फाफिर से मेरा जबाब ही गाफव कर दिया है। पीठलीन अधिकारी (उपलब्ध अधिकारी) सुंभुरं उपलब्ध पर नही बैठते हने उनसे न्यायालय की उम्मीद नही है। इन्होंने मात्र न्यायालय में प्रा० प० मुकुन्दराज स्थान विचाराधीन रहते उक्त दावे का निर्णय कर दिया है जो उचित नही है। कतः श्री शैलेश रैवला, अधिवक्ता अधिकारी, सुंभुरं से विरुद्ध कार्यवाही की जावे। वकील कर्षण ने बहस के दौरान कथन किया कि न्यायालय उपलब्ध अधिकारी, सुंभुरं द्वारा दावा सं० 86/2012 का निर्णय फाफिर का दिया है। प्रार्थी अब केवल कपील का सफते करी का यह प्रा० प० मुकुन्दराज स्थानान्तरण साहीन हो चुका है जो रकारिन फाफिरा जावे।

हमने बहस पद्मकरान एवं पत्रावली में मौजूदा तथ्यों पर बगौर मनन किया कि उपलब्ध

पात्रित कर दिया गया है जिसके कारण यह प्रावण
साखीन हो चुका है। कतः यह प्रावण मुकदमा
वधानाद्वारा साखीन हो चुका है। साखीन होने से
यह प्रावण खारिज किया जाता है। साथ ही
निर्देश दिये जाते हैं कि उपरोक्त अधिकारी हुंहुं
से अलग से निष्पत्ति की प्रति व दिन परिस्थितियों
में यह निष्पत्ति पात्रित किया गया है के क्रम में
रिपोर्ट तलब की जावे। कतः पत्रावली कैलल
शुमार होकर नम्बर से कम हो एवं बादतकरील
जापना दाखिल दफतर हो।


(एल. ए. कुंही)

जिला कलेक्टर हुंहुं